EHD-04

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2015 एवं जनवरी 2016 सत्रों के लिए)

हिंदी भाषा : मध्यकालीन भारतीय साहित्य : समाज और संस्कृति
पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.डी–04
हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्य (2015–16)

पाठ्यक्रम : बी.डी.पी/ई.एच.डी–04/2015–16

प्रिय छात्र/छात्राओ,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य–सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जुलाई 2015 सत्र के लिए : **31 मार्च 2016**

जनवरी 2016 सत्र के लिए : **30 सितंबर 2016**

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. **अध्ययन :** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास :** उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) उत्तर, प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और

घ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति :** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
मध्यकालीन भारतीय साहित्य : समाज और संस्कृति
सत्रीय कार्य (2015–16)

पाठ्यक्रम : बी.डी.पी/ई.एच.डी–04
सत्रीय कार्य कोड : ई.एच.डी–04/टी.एम.ए/2015–16
पूर्णांकः100

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में दीजिए :

1. भक्ति का अर्थ स्पष्ट करते हुए भक्ति संबंधी महत्वपूर्ण दार्शनिक मतों की चर्चा कीजिए। 15

2. तमिल शिव भक्त (नायनार) कवियों की काव्यगत विशेषताएँ बताइए। 15

3. मलयालम भक्ति साहित्य के प्रमुख कवियों का परिचय देते हुए इनकी काव्यगत विशेषताएँ बताइए। 15

4. गुजराती भक्ति साहित्य के प्रमुख कवियों का परिचय प्रस्तुत कीजिए। 15

5. बांगला भक्ति साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ बताइए। 15

6. सिद्ध और नाथ साहित्य का परिचय प्रस्तुत कीजिए। 15

7. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर 200 शब्दों में टिप्पणियाँ लिखिए : 5x2=10

   (क) तुलसीदास की भक्ति भावना
   (ख) सूर काव्य में वात्सल्य वर्णन

प्रिय छात्र/छात्राओं!

जैसा कि आपने कार्यक्रम दर्शिका में पढ़ा होगा कि हिंदी ऐच्छिक पाठ्यक्रम के साथ आपको एक सत्रीय कार्य करना है। ये सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य है। प्रत्येक सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य खंड 1 से 9 पर आधारित हैं।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह देखना है कि आपने पाठ्यक्रम–सामग्री को कितना समझा है और उस पर आधारित बोध प्रश्नों को करने में आप कितने सक्षम हुए हैं। इस सत्रीय कार्य में आपसे विश्लेषणात्मक तथा विवेचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इस पाठ्यक्रम का उद्दश्य आपको मध्यकालीन भारतीय साहित्य से परिचति करवाना है। इसलिए इस पाठ्यक्रम में हमने भारत की लगभग सभी भाषाओं में उपलब्ध मध्यकालीन साहित्य को हिंदी के माध्यम से प्रस्तुत किया है। हर भाषा के साहित्य में, उस युग में जो प्रतिनिधि कवि हुए हैं, उनके जीवन एवं कृतित्व का परिचय हमने इस पाठ्यक्रम में दिया है तथा काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डाला है। संभव है, कुछ भाषाओं के साहित्य में कुछ नाम आपको अपरिचित एवं कठिन लगे किंतु आगे पढ़ते जाने पर यह समस्या स्वयं हल हो जाएगी।

सत्रीय कार्य करने के लिए आवश्यक निर्देश

1. सत्रीय कार्य खंड 1 से 9 पर आधारित है जिसमें विवेचनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं जिनका उद्देश्य यह जानना है कि पाठ्यक्रम को आपने कितना समझा है।
2. अपने उत्तर उसी शब्द सीमा में लिखने का प्रयास करें जितनी शब्द सीमा में प्रश्न पूछे गए हैं।
3. इस सत्रीय कार्य में पूछे गए प्रश्न विवेचनात्मक हैं। इसलिए इकाई में लिखी गई सामग्री को ज्यों का त्यों प्रस्तुत न करके अपने शब्दों में लिखें।
4. उत्तर लिखते समय अपनी भाषा और शैली को पठनीय एवं सहज बनाने का प्रयास करें।
5. उत्तर केवल उसी प्रश्न का दें जो पूछा गया है। इधर–उधर की बातें न लिखें और न ही वे बातें लिखे जो प्रश्न से संबंधित न हों।

आशा है, आप सत्रीय कार्य को सफलतापूर्वक करेंगे। यदि आपने पाठ्यक्रम का सावधानीपूर्वक अध्ययन किया है और इकाइयों के बीच–बीच में दिए गए बोध प्रश्नों को हल किया है तो सत्रीय कार्य करने में निश्चित रूप से किसी प्रकार की कठिनाई नहीं आएगी।

शुभकमानाओं के साथ।

सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथियाँ :

जुलाई 2015 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2016
जनवरी 2016 सत्र के लिए : 30 सिंतबर 2016

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।